पुल पर बगुले

आनंद हर्षुल

पुल पर बगुले

आनंद हर्षुल

राजेन्द्र मिश्र को

जिनके आस-पास से मैंने साहित्य की गरिमा

को समझने का प्रयत्न किया

और

छोटे भाई योग को जिसके संग-साथ

मैंने जीवन को समझा।

अनुक्रम

बैठे हुए हाथी के भीतर लड़का	5
घर गेराज से छोटा	15
पुल पर बगुले	23
कॉलर	35
कुत्तों की मौत का दिन	46

वर्ष 1984 (पहली कहानी) से 2001 तक की कहानियां